नेनाक बाइबिल
प्रस्तुति

मनुष्यक दुखकुस्वात

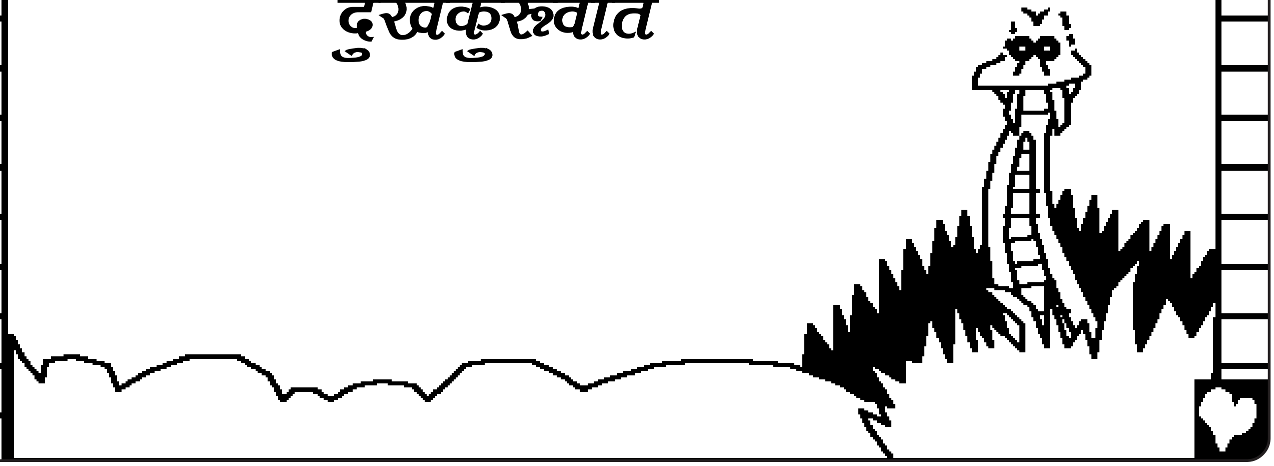

ल्खक: Edward Hughes
सचि द्वारा: Byron Unger; Lazarus

टनुवाद:
रूपान्तरित: M. Maillot; Tammy S.

खिस्सा 2 क 60

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

License: You have the right to copy or print this story, as long as you do not sell it.

Maithili

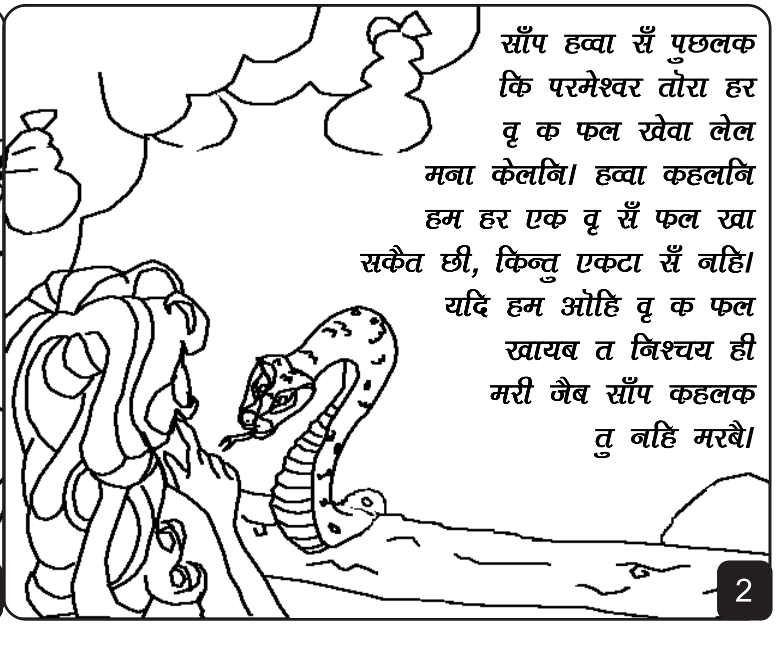

अहाँ परमेश्वर के
समान भजायब। हव्वा
ओहि वृ के फल के
खाय चाहै छलिह।
ओ साँप बात
सुनलिह आ फल
के खा लेलनि।
3

हव्वा परमेश्वर के आज्ञा के उलंघन
केलनि आ आदम के सेहो ओ फल
खुआ देलनि। आदम के कहबाक
चाहि कि हम परमेश्वर के आज्ञाक
उलंघनन नहि करब।
4

एहि
तरहे आदम आ
हव्वा पाप केलनि। आ ओ टुनू अपना
आपके नाँगट पौलनि। आ अपना–आप के व
क फल सँ झाँप कोँ केलनि आ झाडि ़मे नुकाय
लगला। कि परमेश्वर हुनका नहि देखथिन।
5

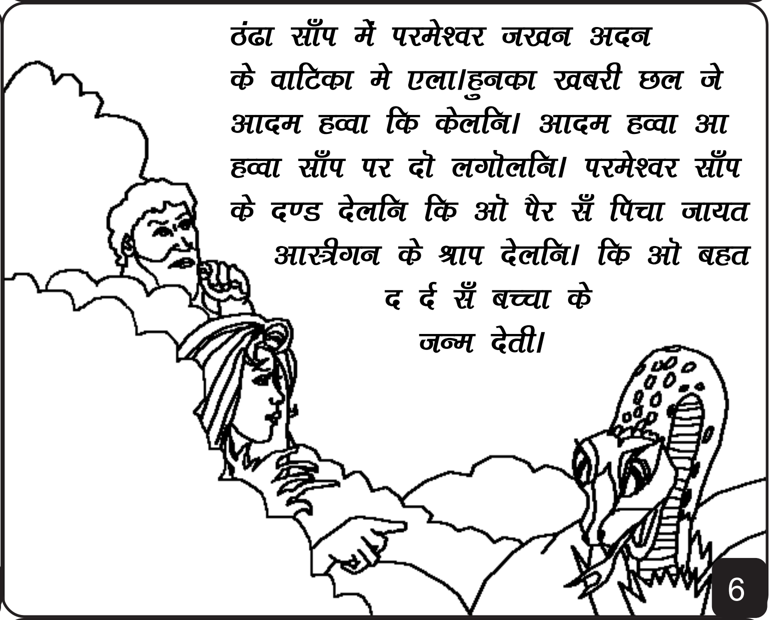
ठंढा साँप में परमेश्वर जखन अदन
के वाटिका मे एला।हुनका खबरी छल जे
आदम हव्वा कि केलनि। आदम हव्वा आ
हव्वा साँप पर दो लगोलनि। परमेश्वर साँप
के दण्ड देलनि कि ओ पैर सँ पिचा जायत
आस्त्रीगन के श्राप देलनि। कि ओ बहत
द र्द सँ बच्चा के
जन्म देती।
6

परमेश्वर आदम के बगिचा
सँ सेहो बाहर निकाली
देलिन।कियाक ओ दनूपाप
केने छल। आ ओ
जीवित परमेश्वर
सँ अलग कऽ
देल गेल।
7

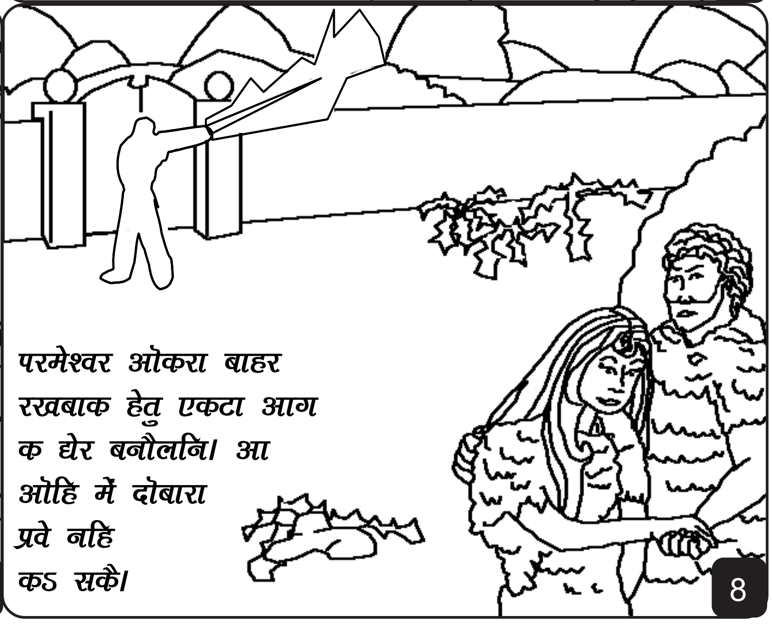
परमेश्वर ओकरा बाहर
रखबाक हेतु एकटा आग
क घेर बनौलनि। आ
ओहि में दोबारा
प्रवे नहि
कऽ सकै।
8

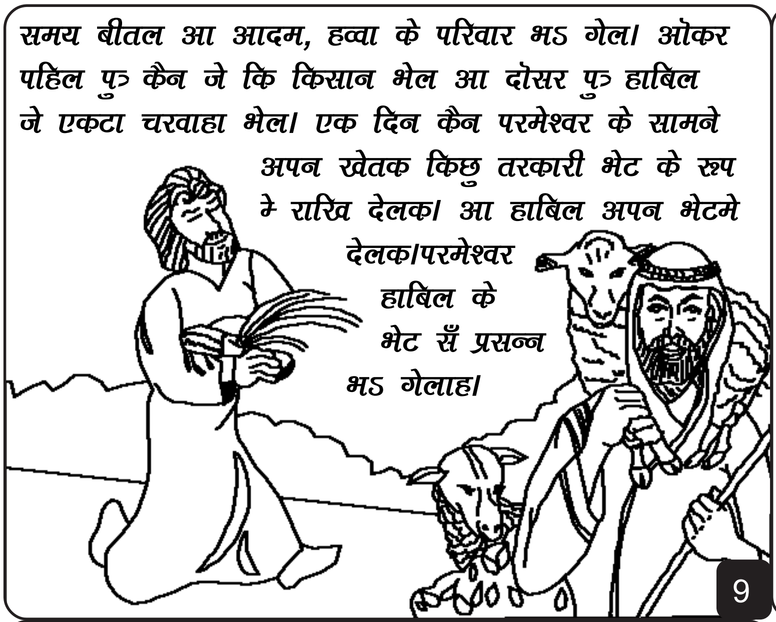
समय बीतल आ आदम, हव्वा के परिवार भऽ गेल। ओकर पहिल पु कैन जे कि किसान भेल आ दोसर पु हाबिल जे एकटा चरवाहा भेल। एक दिन कैन परमेश्वर के सामने अपन खेतक किछु तरकारी भेट के रूप मे राखि देलक। आ हाबिल अपन भेटमे देलक।परमेश्वर हाबिल के भेट सँ प्रसन्न भऽ गेलाह।
9

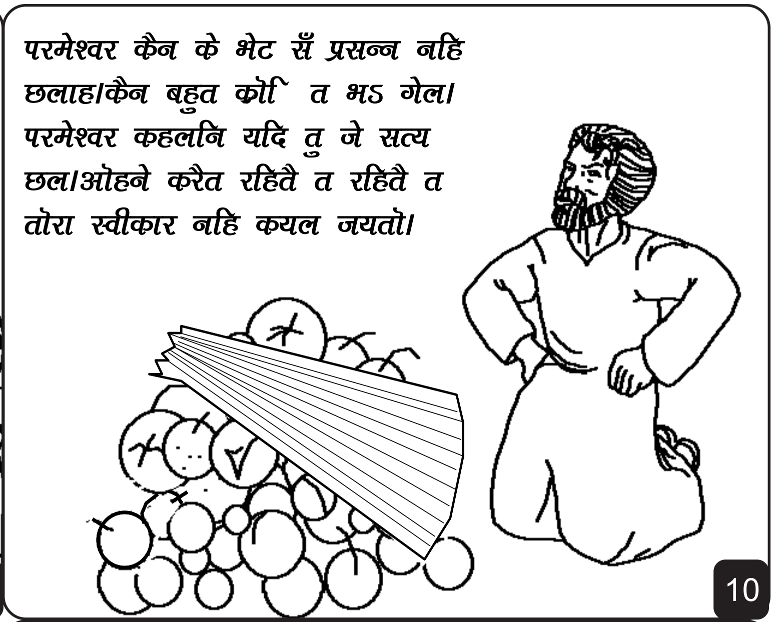
परमेश्वर कैन के भेट सँ प्रसन्न नहि छलाह।कैन बहुत कॉि त भऽ गेल। परमेश्वर कहलनि यदि तु जे सत्य छल।ओहने करैत रहितै त रहितै त तोरा स्वीकार नहि कयल जयतो।
10

कैन के को ंत नहि भलै। किछु दिनक बाद एक दिन कैन हाबिल पर अपन खेत हमला कऽ ओकर हत्या कऽ देलक।
11

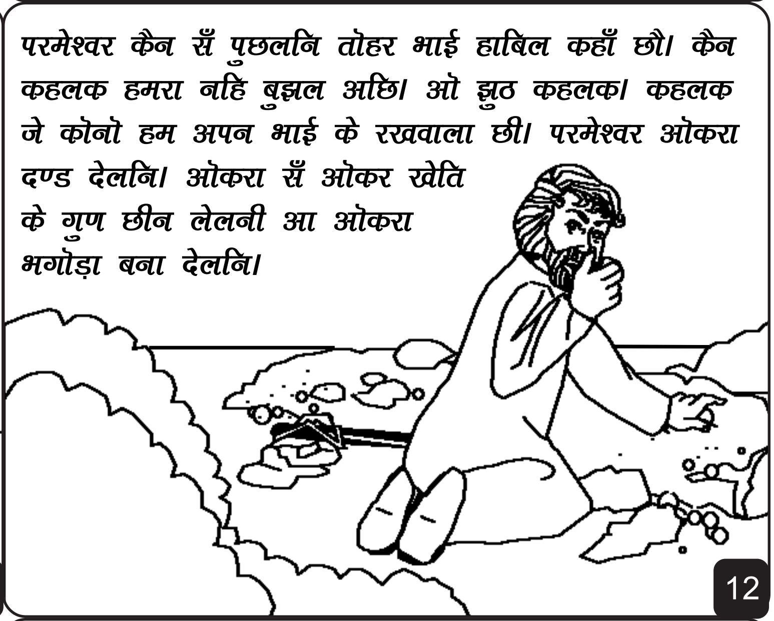
परमेश्वर कैन सँ पुछलनि तोहर भाई हाबिल कहाँ छौ। कैन कहलक हमरा नहि बुझल अछि। ओ झुठ कहलक। कहलक जे कोनो हम अपन भाई के रखवाला छी। परमेश्वर ओकरा दण्ड देलनि। ओकरा सँ ओकर खेति के गुण छीन लेलनी आ ओकरा भगोड़ा बना देलनि।
12

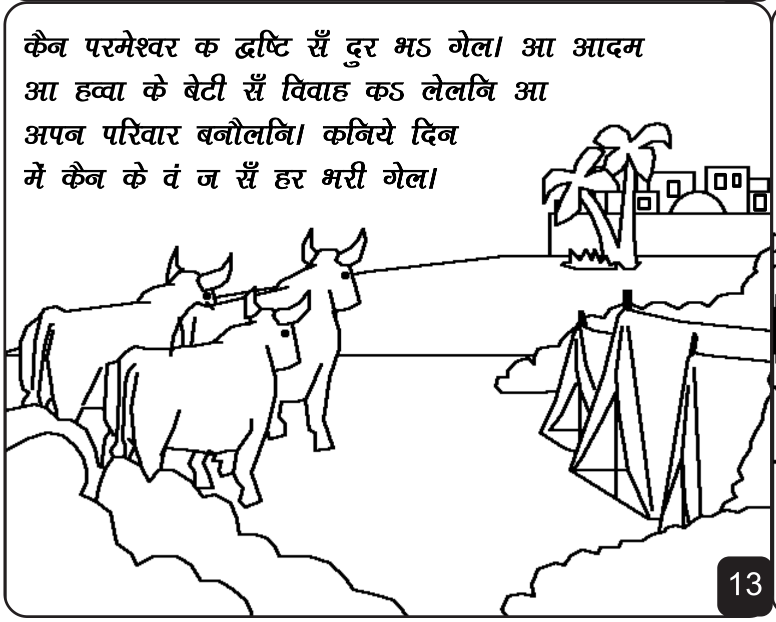
कैन परमेश्वर क द्रष्टि सँ दुर भऽ गेल। आ आदम आ हव्वा के बेटी सँ विवाह कऽ लेलनि आ अपन परिवार बनौलनि। कनिये दिन में कैन के वं ज सँ हर भरी गेल।
13

एहि तरहें आदम आ हव्वा के परिवार सँ सख्या बढय लागल। ओहि समय के लोक सब बहुत दिन रि जीवित रहैत छल।आजुक तुलना मे।
14

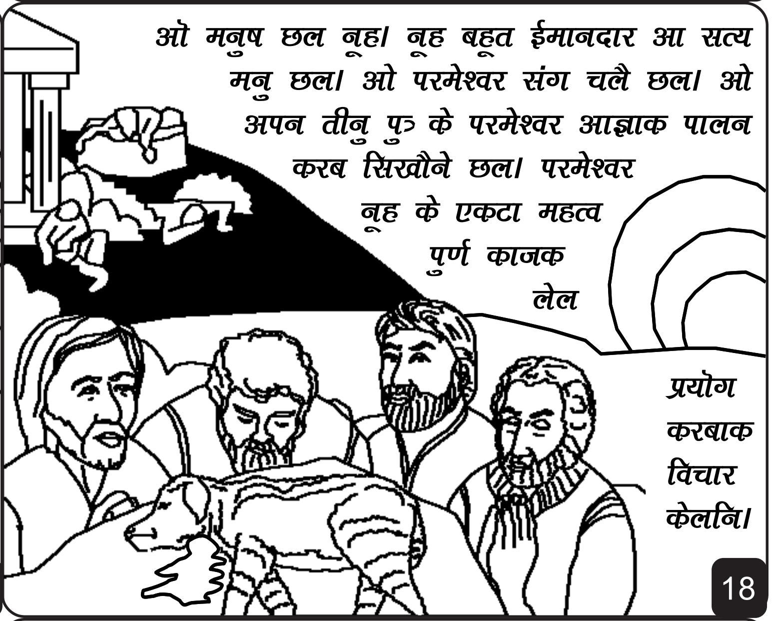

मनुष्यक दुखकुरुवात

परमेश्वरक ब्द द्वारा ई खिस्सा बाइबिल

अहाँक द्व

उत्पत्ति 3–6

ऋका क और प्रवे करवैत अछि।
भजन संहिता 119:130

परमेश्वर जनै छथिन कि हम खराब–खराब कार्य
कैलोउ जेकरा ओ पाप कहै छथि।पापक सजाय त मृत्यु छै।

परमेश्वर हमरा सँ बहुत प्रेम करै छथि। ताहि सँ ओ अपन पु, यीु,
के संसार मे पठौलनि जे ओ हमर पाप के सजा के लेल कुस पर
अपन प्राण गमोता। और यीु पुनःजीवित भऽ गेला। आ स्वर्ग चलि
गेला। परमेश्वर हमर पाप के मा कऽ देलनि।

यदि अहाँ अपन पास सँ मन हटाबै चाहे छी परमेश्वर सँ कहियौन,
हे परमेश्वर हम विश्वा करै छी। जे यीशु हमर पाप के कारण अपन
प्राण द देलनि। आ पुनःजीवित भ गेला। यीु हमरा सब पर कृपा
करथि आ हमरा सब के जीवन मे आवथि आ हमर पाप के मा कऽ
दैथि ताकि हमरा नवजीवन भेटत। आ हम अहाँके संग जी सकी,
संग रही सकी अहाँ के संतान के रूप मे सब दिन बाइबिल
पढ़ी आ परमेश्वर यदुला सँ बातचीत करी।

ई कथा बाइबिल के सबदिन पढ़ु और परमेश्वर अमीन
यहुला सऽ बातचीत करैत रहु। यहुन्ना 3:16